५ धम्मक-धम्मक आता हाथी

- प्रयाग शुक्ल

प्रस्तुत कविता प्रसिद्ध रचनाकार श्री प्रयाग शुक्ल द्वारा रचित गई है। आपका जन्म ई. स. १९४० में कोलकाता में हुआ था । साहित्य की विविध विधाओं पर सशक्त रूप से लेखनी चलाई है। बच्चों के लिए आपने बहुत उल्लेखनीय रचनाएँ लिखी हैं।

आपके ९ काव्यसंग्रह, ५ लघुकथा संग्रह, ३ उपन्यास, १ कला पुस्तक, सत्यजीत रे पर एक पुस्तक प्रकाशित है इसके अतिरिक्त पत्रिका का संपादन भी किया है ।

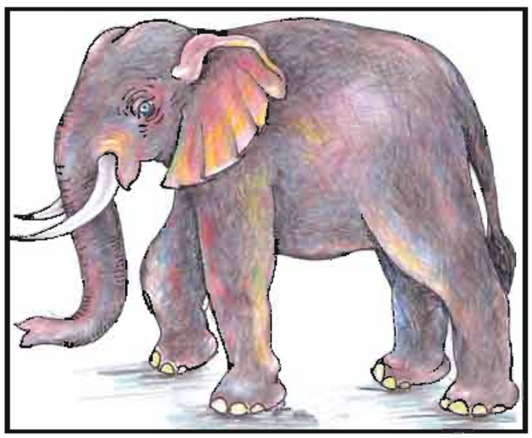

धम्मक-धम्मक आता हाथी,
धम्मक-धम्मक जाता हाथी ।

अपनी सूँड़ उठाता हाथी,
अपनी सूँड़ गिराता हाथी,
अपनी सूँड़ हिलाता हाथी,
अपनी सूँड़ घुमाता हाथी ।

धम्मक-धम्मक आता हाथी,
धम्मक-धम्मक जाता हाथी ।

जब पानी में जाता हाथी,
भर-भर सूँड़ नहाता हाथी,
कितने केले खाता हाथी,
यह तो नहीं बताता हाथी ।

धम्मक-धम्मक आता हाथी,
धम्मक-धम्मक जाता हाथी ।

शब्दार्थ

धम्मक जोश, तेज **पानी** जल, नीर, सलिल **हाथी** गज

अभ्यास

प्रश्न १. कविता का अभिनय के साथ गान कीजिए ।

प्रश्न २. सूचना के अनुसार अभिनय कीजिए :

- रोना
- हँसना
- पटाखे छोड़ना
- कपड़े धोना

प्रश्न ३. (अ) पढ़िए और समझिए :

उठाना	गिराना
आना	जाना
छोटा	बड़ा
ऊँचा	नीचा
पकड़ना	छोड़ना

(ब) ऊपर दिए गए विलोम शब्दों पर आधारित वाक्य बनाइए ।

जैसे : गिरे हुए को **उठाना** चाहिए ।
हमें किसी को **गिराना** नहीं चाहिए ।

प्रश्न ४. चित्र के आधार पर कहानी कहिए ।

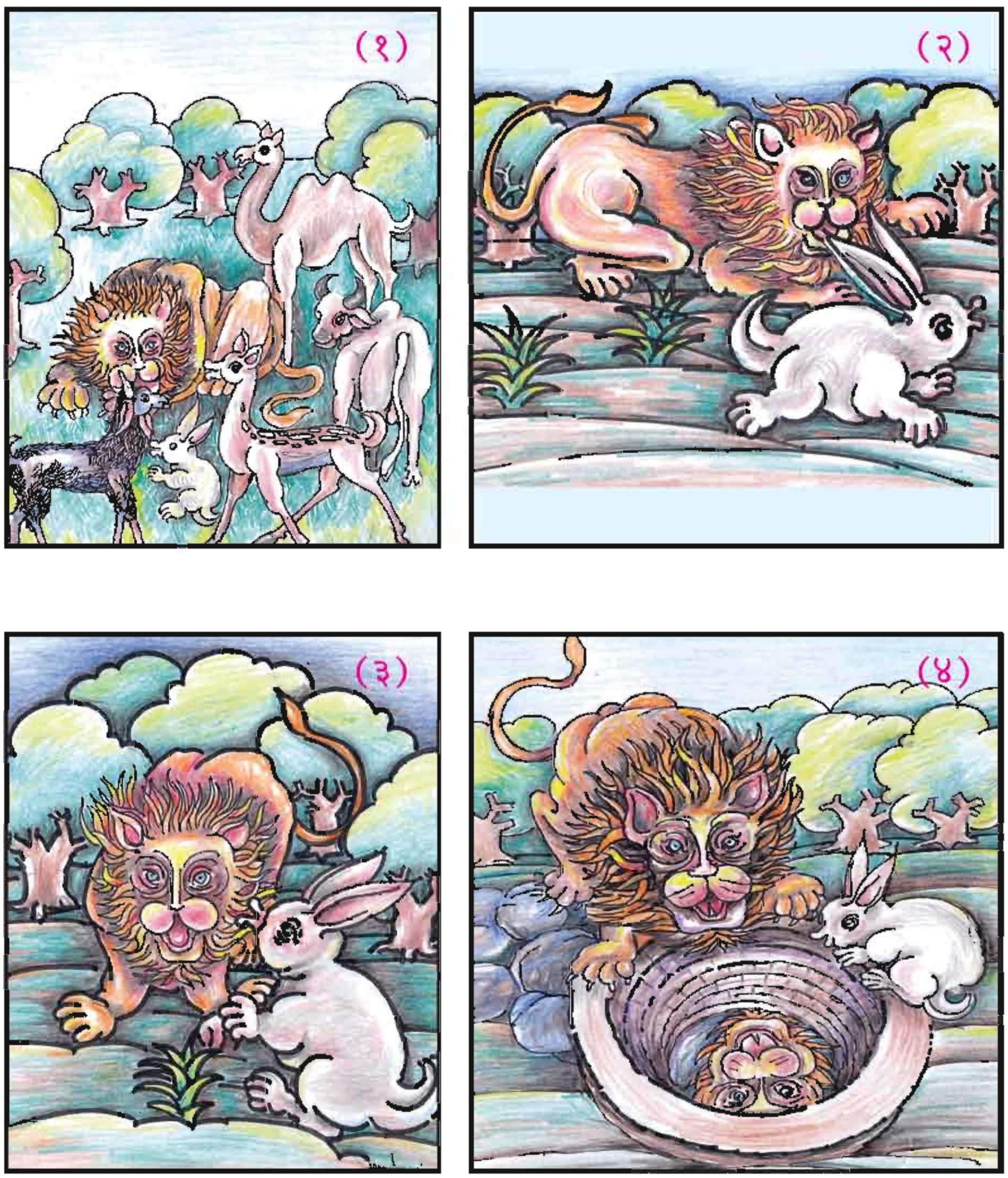

स्वाध्याय

प्रश्न १. प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(१) हाथी किस तरह से आता है ?

(२) नहाने के लिए हाथी सूँड़ में क्या भरता है ?

(३) हाथी क्या खाकर बताता नहीं है ?

(४) हाथी पानी कहाँ डालता है ? क्यों ?

प्रश्न २. चित्र में हाथी के कुछ अंग नहीं हैं उन्हें पूर्ण कीजिए एवं चित्र में रंग भरिए :